अपना संस्थान

अपना संस्थान

अमृतादेवी पर्यावरण नागरिक संस्थान

रसोई की बगिया

रजि. क्र. 964/जयपुर/2015-16

आयकर की धारा 80 G (5) (VI) के अन्तर्गत छूट।

Please visit our website

WWW.APNASANSTHAN.IN

रसोई की बगिया

रसोई (Kitchen) में बचे हुए सब्जियों – फलों के छिलके, पका हुआ भोजन आदि जैविक कचरे का निस्तारण, 'रसोई की बगिया' में जीवाणुओं (Bacteria) द्वारा विघटन (Decompose) कर किया जाता है।

सामग्री –

- 200 लीटर का ड्रम (Drum) - लोहे अथवा प्लास्टिक का – 1
- ईंट (Bricks) – 4
- कोकोपीट / नारियल के छिलके
  (Dry Coconut Peel - 3-4 bag (50 kg. Cement Bag)
- गन्ने के छिलके
  (Sugar Cane Waste after Crush) - 3-4 bag (50 kg. Cement Bag)
- पेड़ों के सूखे पत्ते
  (Dry Leaves) - 3-4 Bag (50 kg. Cement Bag)
- उपजाऊ मिटटी
  (Fertile Soil) - 3-4 Bag (50 kg. Cement Bag)
- पौधे – गुलाब, मोगरा, रातरानी, चमेली आदि – 12 + 1 एक पौधा ऊपर (Top) के लिए – नींबू, अमरूद, मीठा नीम आदि
- वेस्ट डीकंपोजर – (बैक्टीरिया 3G) की पुड़िया अथवा लिक्विड।

विशेष – ड्रम मैं 12 छिद्र 4 इंच के बने होते हैं। नीचे तल में एक छोटा छेद (1 इंच) पानी निकलने के लिए बना हुआ होता है।

विधि (Process)

- **प्रथम परत** (First Layer) **ड्रम के तल** (Inside Drum Base) **में नारियल के छिलके** (Dry Coconut Peel) **अथवा कोकोपीट की 4 इंच की परत बिछाना** (Spread) ।
- **दूसरी परत** (Second Layer) **में गन्ने के छिलके की 4 इंच की परत बिछाना** (Spread) ।
- **तीसरी परत** (Third layer) **में सूखे पत्ते की 4 इंच की परत बिछाना** (Spread) । **एवं किसी वस्तु के माध्यम से उसे दबाना (Press) करना है ।**

विधि (Process)

- अब ड्रम के नीचे के चारों छेद में 1–1 पौधे ड्रम के अंदर से बाहर निकालना। ड्रम के छेद (Hole) से पौधे के तने को नुकसान ना पहुचे जिससे चारो और नारियल के छिलके लगाना है (नारियल के छिलके का नरम भाग (Soft Part) पौधे की ओर रहे)।
- चौथी परत (Fourth layer) – उपजाऊ मिट्टी की डालना जिससे पौधे की जड़ सुरक्षित हो जाए।
- विशेष : गन्ने के छिलके की परत डालना अत्यंत आवश्यक है। रस निकालने के बाद बचे हुए गन्ने के छिलके में सक्रॉस (Sucrose) की काफी मात्रा रहती है जोकि जीवाणुओं की संख्या में कई गुणा वृद्धि कर देती है। गन्ने के विकल्प में, गेहूं का भूसा/खाखला में, आधा किलो गुड़ का घोल मिलाकर भी उपयोग में ले सकते हैं।

विधि (Process)

- दो-तीन लीटर पानी डालना।
- इसी क्रम (Serial) से दो परत (Layer) और लगाना।
- अंत में 13वां फलदार पौधा ड्रम के मध्य में लगाना। ड्रम ऊपर से 6 इंच खाली रहना चाहिए।
- ड्रम में वेस्ट डीकंपोजर डालना है। एवं ड्रम के अंदर 5-7 लीटर पानी की एक अच्छी पीलाई करनी है।
- गन्ने के छिलके की परत डालना अत्यंत आवश्यक है। रस निकालने के बाद बचे हुए गन्ने के छिलके में सक्रॉस (Sucrose) की काफी मात्रा रहती है जोकि जीवाणुओं की संख्या में कई गुणा वृद्धि कर देती है।
- 10 दिन के अंदर ड्रम में असंख्य जीवाणु (Bacteriaa) पैदा हो जाते हैं।

सावधानियां -

- ड्रम ऐसे स्थान पर रखे जहां धूप आवे और इसे स्थानांतरित ना करना पड़े। (बालकोनी या छत) 10 वर्ष तक यह ड्रम उपयोग में आता है।
- पानी प्रतिदिन आवश्यकता अनुसार 4-5 लीटर डाल सकते हैं।
- कभी-कभी गंध आने पर ऊपर सूखे पत्तों की परत बिछा सकते हैं।

सावधानियां –

- चाय की पत्ती को धो करके डालने से चीटियां नहीं होती है।
- जीवाणु (Bacteriaa) उत्पन्न होने में 10 दिन लगते हैं। अतः इसके बाद ही फल व सब्जी के छिलके डालना है।
- फल व सब्जी के छोटे–छोटे (2 इंच) के टुकड़े (Piece) करके डालना है।
- 45– 60 दिन पश्चात पका हुआ सामान (रात की बची हुई रोटी, दाल, सब्जी) आदि भी डाल सकते हैं।

हार्दिक
आभार

संपर्क सूत्र

+91 94133 57773, +91 96369 77330